



अॅग्रोमेट अॅडवायझरी बुलेटीन  
ग्रामिण कृषि मौसम सेवा, ऐएमएफयु, कोल्हापूर  
विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, शेंडा पार्क, कोल्हापूर



दूरध्वनी : (०२३१) २६९२४१६

ईमेल: adrkolhapur@rediffmail.com

हवामान अंदाजावर आधारित कृषी सल्ला समितीची साप्ताहिक बैठक दि. २३.०९.२०२२

जिल्हा : सांगली

| मागील आठवड्यातील हवामान<br>(१७.०९.२०२२ ते २३.०९.२०२२) |    |    |    |    |    |    | हवामान घटक                   | पुढील पाच दिवसांचा हवामानाचा अंदाज<br>(२४.०९.२०२२ ते २८.०९.२०२२) |       |       |    |    |
|-------------------------------------------------------|----|----|----|----|----|----|------------------------------|------------------------------------------------------------------|-------|-------|----|----|
| १७                                                    | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | दिनांक                       | २४                                                               | २५    | २६    | २७ | २८ |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | पाऊस (मिमी)                  | ६                                                                | ३     | ४     | ७  | २  |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | कमाल तापमान (अं.से.)         | ३०                                                               | ३०    | ३१    | ३२ | ३३ |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | किमान तापमान (अं.से.)        | २१                                                               | २१    | २१    | २२ | २२ |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | ढग स्थिती (आकाश)             | ३                                                                | २     | ४     | ३  | ४  |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%)  | ९२                                                               | ९२    | ९१    | ८९ | ८८ |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ५६                                                               | ५९    | ५५    | ५३ | ५० |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | वाऱ्याचा वेग (किमी/तास)      | १९                                                               | १८    | १६    | १५ | १५ |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | वाऱ्याची दिशा                | प.नै.                                                            | प.नै. | प.नै. | प. | प. |

हवामान अंदाजावर आधारित कृषी सल्ला

| पीक           | अवस्था     | कृषि विषयक सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
|---------------|------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| हवामान सारांश |            | प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई यांचेकडून प्राप्त झालेल्या हवामान अंदाजानुसार सांगली जिल्ह्यात दिनांक २४ ते २८ सप्टेंबर दरम्यान आकाश ढगाळ राहण्याची तर दिनांक २४ ते २८ सप्टेंबर दरम्यान काही ठिकाणी हलक्या स्वरूपाच्या पावसाची शक्यता आहे. कमाल तापमान ३०.० ते ३३.० अंश सेल्सिअस दरम्यान तर किमान तापमान २१.० ते २२.० अंश सेल्सिअस दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे. सकाळची सापेक्ष आर्द्रता ८८ ते ९२% तर दुपारची सापेक्ष आर्द्रता ५० ते ५९% दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे. वाऱ्याचा वेग ताशी १५ ते १९ कि.मी. दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे. विस्तारित श्रेणीच्या अंदाजानुसार मध्य महाराष्ट्रामध्ये दिनांक २५ सप्टेंबर ते १ ऑक्टोबर दरम्यान पावसाचे प्रमाण सरासरी पेक्षा जास्त तसेच कमाल तापमान व किमान तापमान सरासरी दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे. |
| सामान्य सल्ला |            | शेतकरी बांधवांनी हवामान आधारित शेतीविषयक सल्ला आपल्या अँड्रॉइड मोबाईलवर मिळविण्यासाठी गुगल प्ले स्टोरवरून "मेघदूत" अँड्रॉइड ॲप्लिकेशन तर मेघगर्जना व विजांचा कडकडाट इ.च्या अंदाजासाठी "दामिनी" अँड्रॉइड ॲप्लिकेशन डाउनलोड करावे व त्याचा वापर करावा.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| संदेश         |            | सर्व निरोगी जनावरांना लाळ खुरकत रोगाची प्रतिबंधक लस सप्टेंबर महिन्यामध्ये पशुवैद्यकाच्या सल्ल्याने टोचून घ्यावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| मुग           | पक्वता     | लवकर पेरणी केलेल्या आणि पक्व झालेल्या मुग आणि उडीद पिकांची काढणी करावी व काढणी केलेला शेतीमाल पावसाची शक्यता असल्याने सुरक्षित ठिकाणी ठेवावा.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| मका           | फुलोरा     | पिकावर अमेरिकन लष्करी आळीचा १०% पेक्षा जास्त प्रादुर्भाव आढळून आल्यास नियंत्रणासाठी खालीलपैकी कोणत्याही एका कीटकनाशकाची एकदा फवारणी घ्यावी.<br>क्लोरानट्रानिलीप्रोल १८.५ एस.सी. ०.४ मिली प्रति लिटर पाणी.<br>किंवा स्पिनेटोराम ११.७ % एस.सी ०.५ मिली प्रती लिटर पाणी<br>किंवा इमामेक्टीन बेन्झोएट ५% एस.जी. ०.४ ग्रॅम प्रति लिटर पाणी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| सोयाबीन       | शेंगा भरणे | कमाल तापमान २८ ते ३२ अंश सेल्सिअस तर किमान तापमान २० ते २३ अंश सेल्सिअस आणि सकाळची आर्द्रता ९० पेक्षा जास्त असण्याची शक्यता असल्याने सोयाबीन पिकामध्ये पाने खाणाऱ्या आळीचा प्रादुर्भाव होण्याची शक्यता आहे. नियंत्रणासाठी पुढील उपाययोजना कराव्यात.<br>प्रतिबंधात्मक उपाय म्हणून हेक्टरी ५ याप्रमाणे स्पोजोप्लुरचा वापर करून फिरोमोन सापळे लावावेत.<br>एस.एल.एन.पी.व्ही ५०० एल ई अथवा एन्डोकझाकार्ब १५.८% ई.सी.६.६ मिली १० लिटर पाण्यातून फवारावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| हळद           | वाढीची     | कंदमाशीचे नियंत्रण: प्रादुर्भाव जुलै ते सप्टेंबर महिन्यांदरम्यान होतो.<br>उघडे पडलेले कंद मातीने झाकून घ्यावेत. वेळेवर हळदीची भरणी करावी.<br>हेक्टरी ६ पसरट भांडी (माती अथवा प्लास्टिकची) वापरून प्रत्येक भांड्यात भरडलेले एरंड बी २०० ग्रॅम घेऊन त्यात १.५ लिटर पाणी घ्यावे. ८ ते १० दिवसांनी या मिश्रणातून विशिष्ट असा वास बाहेर निघू लागल्यावर कांदमाश्या आकर्षित होऊन मारून लागतात. सदरची उपाय योजना सेंद्रिय हळद उत्पादनामध्ये अत्यंत प्रभावी व कमी खर्चिक                                                                                                                                                                                                                                                                              |



अॅग्रोमेट अॅडवायझरी बुलेटीन  
ग्रामिण कृषि मौसम सेवा, ऐएमएफयु, कोल्हापूर  
विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, शेंडा पार्क, कोल्हापूर



दूरध्वनी : (०२३१) २६९२४१६

ईमेल: adrkolhapur@rediffmail.com

|       |                   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|-------|-------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|       |                   | आहे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| ऊस    | वाढीची            | <p>➤ सहा ते आठ आठवडे वयाच्या आडसाली लागणीस को.८६०३२ जातीसाठी शिफारशीत (५००:२००:२०० किलो नत्र, स्फुरद व पालाश) खत मात्रेच्या ४० टक्के नत्र खताची दुसरी मात्रा द्यावी यासाठी २०० किलो नत्र (४३४ किलो युरिया) व इतर जातीसाठी शिफारशीत (४००:१७०:१७० किलो नत्र, स्फुरद व पालाश) नत्र खत मात्रेच्या ४० टक्के नत्र खताची दुसरी मात्रा द्यावी यासाठी १६० किलो नत्र (३४७ किलो युरिया) प्रती हेक्टरी याप्रमाणे द्यावे. खत मात्रा देताना ६ किलो युरियासाठी १ किलो निंबोळी पेंडीची भुकटी चोळून द्यावी.</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
| पशुधन | "लम्पी" त्वचा रोग | <p><b>"लम्पी" त्वचा रोग कारणे</b></p> <p>➤ या रोगाचा संसर्ग "कॅप्रीपॉक्स" (Capri pox) विषाणू मुळे होतो. हा विषाणू शेळ्या व मेंढ्यांमधील देवी रोगाच्या विषाणूशी संबंधित आहे.</p> <p>➤ पशुपालकांनी घ्यावयाची काळजी</p> <p>➤ बाधित जनावरे निरोगी जनावरांपासून वेगळी ठेवणे.</p> <p>➤ कोणत्याही संभाव्य रोगी जनावरास निरोगी जनावरांच्या कळपात प्रवेशास बंदी करणे.</p> <p>➤ रोग प्रादुर्भाव झालेल्या गावातील बाधित व निरोगी जनावरांना चराऊ कुरणांमध्ये एकत्रित सोडण्यास मनाई करणे.</p> <p>➤ डास, गोचिड व तत्सम किड्यांच्या बंदोबस्त करणे. तसेच, निरोगी जनावरांच्या अंगावर किडे न चावण्यासाठी औषध लावणे व गोठ्यामध्ये यासाठीच्या औषधांची फवारणी करणे.</p> <p>➤ रोग प्रादुर्भाव क्षेत्रातील जनावरांना रोग प्रादुर्भाव नसलेल्या ठिकाणी तसेच स्थानिक बाजारांमध्ये नेण्यास प्रतिबंधक करणे.</p> <p><b>प्रतिबंधात्मक उपाय योजना</b></p> <p>➤ तत्काळ नजीकच्या पशुवैद्यकीय दवाखान्याशी संपर्क साधून उपचार करून घ्यावेत.</p> <p>➤ त्वचेवरील गाठीचे जखमेत रुपांतर झाल्यास जखमेत जंतू पडू नये यासाठी जखमेवर पशुवैद्यकाच्या मार्गदर्शनानुसार औषध मलम लावावे.</p> <p>➤ लम्पी या त्वचा रोग नियंत्रणासाठी पशुवैद्यकाच्या सल्ल्याने गोट पॉक्स या लसीचे लसीकरण करून घ्यावे.</p> |

स्त्रोत

१) हवामान पूर्वानुमान

: प्रादेशिक हवामान पूर्वानुमान केंद्र, मुंबई.

२) मागील हवामान

: भारत मौसम विज्ञान विभाग वेधशाळा विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, कोल्हापूर

ठिकाण : कोल्हापूर

दि. : २३.०९.२०२२

स्वाक्षरीत

प्रमुख अन्वेषक, ग्राकूमौसे, ऐएमएफयु, कोल्हापूर तथा  
सहयोगी संशोधन संचालक,  
विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, कोल्हापूर